Synergy

BSES
BSES Rajdhani Power Limited

... दिल्ली सरकार के साथ एक संयुक्त उद्यम

जनवरी – फरवरी 2012

सीईओ की कलम से

प्रिय ग्राहकों,

बीआरपीएल के हर सहयोगी की ओर से, मैं आपको, यानी अपने ग्राहकों को नए साल 2012 के लिए हार्दिक भुभकामनाएं देता हूं।

दिल्ली की बिजली कंपनियों के लिए साल 2011 चर्चाओं से भरा रहा। 2011 की गर्मियों में बिजली की मांग में 2010 की पीक डिमांड के मुकाबले करीब 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, और अगस्त में यह 5028 मेगावॉट पहुंच गई।

जुलाई 2002 से लेकर अब तक बिजली खरीद की कीमतों में करीब 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद, हमने आपको 99.7 प्रतिशत विश्वसनीयता के साथ बिल्कुल निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की। इस विश्वसनीयता पर लागत आती है, क्योंकि कोयला और गैस की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं और ट्रांसमिशन के लिए भी अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। चूंकि पिछले पांच सालों में बिजली की दरों में, उसकी लागत के हिसाब से बढ़ोतरी नहीं की गई, इसलिए आपकी बिजली कंपनी को बड़े पैमाने पर लोन लेना पड़ा, ताकि थोक बिजली खरीद की बढ़ी कीमतों के बावजूद आपको समुचित बिजली मुहैया कराई जा सके। यह एक राष्ट्रव्यापी समस्या है।

चूंकि बिजली खरीद के हिसाब से लागत की वसूली नहीं हो पाई, इसलिए बिजली वितरण कंपनियों की ओर से भुगतान में डिफॉल्ट हुआ। इस वजह से बिजली उत्पादन कंपनियों, ईंधन आपूतिकर्ता, और प्रोजेक्ट को वित्त उपलब्ध कराने वाले – यानी बैंक, सभी के हित प्रभावित होते हैं। इसका एक परिणाम यह भी हुआ कि बैंक आपके निवेश पर सेक्योर रिटर्न उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं।

वैसे, अब विभिन्न संस्थाएं जैसे योजना आयोग, फोरम ऑफ रेगुलेटर्स और एपीलेट ट्रिब्यूनल ऑफ इलेक्ट्रिसिटी आदि इस बात के प्रति सचेत हुई हैं कि बिजली की दरों को कृत्रिम तरीके से दबाने के क्या प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं।

2011 के अगस्त में दिल्ली में बिजली की दरों में इजाफा हुआ। हालांकि, यह एक महत्वपूर्ण कदम था लेकिन पर्याप्त नहीं। क्योंकि, बिजली कंपनियों को बिजली आप तक पहुंचाने में अब भी प्रति यूनिट करीब 2 रूपये का घाटा हो रहा है। वजह यह है कि पिछले सालों में बिजली खरीद पर आने वाली लागत की भरपाई सही तरीके से नहीं की गई।

अपनी बिजली कंपनियों की वित्तीय समस्याओं से संबंधित खबरें आपने पढ़ी होंगी। यहां मैं आपको आश्वस्त करना चाहूंगा कि हम अपने विभिन्न हिस्सेदारों के साथ मिलकर, इस संकट का समाधान करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि दिल्ली बिजली के मामले में उसी स्थिति में न पहुंच जाए, जैसे पहले थी। या फिर, दिल्ली की भी स्थिति देश के कई स्थानों या राजधानी के आसपास के इलाकों जैसी न हो जाए।

हम एक बार फिर, आपको बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने, और हमारे एकीकृत व मजबूत संबंधों के प्रति अपनी वचनबद्धता जाहिर करते हैं। आपके निरंतर समर्थन के लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

सादर,

गोपाल के सक्सेना

बीएसईएस के पास हैं इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सबसे ज्यादा ई–चार्ज पोर्ट्स

दिल्ली में ऑटो एक्सपो होने वाला है और कई कार निर्माता कंपनियां यहां अपनी ईको फ्रेंडली इलेक्ट्रिक कारों को शोकेस करेंगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक कार निर्माता कंपनी के साथ मिलकर, बीएसईएस ने ई–चार्जपोर्ट्स का सबसे बड़ा नेटवर्क खड़ा किया है, जहां लोग अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज कर सकते हैं। दक्षिण, पश्चिम पूर्व व मध्य दिल्ली में कंपनी के पास कुल 50 ई–चार्जपोर्ट्स हैं, जिन्हें महिन्द्रा रेवा के सहयोग से बनाया गया है। तो अब आप माइलेज की चिंता छोड़ दें।

एसएमएस कर डुप्लिकेट बिल पाएं

क्या आपको बिजली का बिल नहीं मिला! कोई बात नहीं। आप सिर्फ एक एसएमएस कर अपना डुप्लिकेट बिजली बिल मंगवा सकते हैं। जी हां! बस अपना मोबाइल फोन उठाएं, लिखें – बीएसईएस, स्पेस दें, लिखें – बिल, फिर स्पेस दें और अपना नौ अंकों वाला सीए नंबर टाइप करें और उसे 5–54–54–64 पर भेज दें।

एसएमएस मिलते ही आपका अनुरोध दर्ज कर लिया जाएगा और आपको कंपनी की ओर से एक रिटर्न एसएमएस मिलेगा, जिसमें इस अनुरोध का एक्नॉलेजमेंट नंबर भी होगा।

102.6 मेगाहट्र्ज पर हर शुक्रवार सुनें – दिल्ली रहे रोशन

बिजली उपभोक्ताओं के सवालों के जवाब देने और इसको लेकर उपभोक्ताओं में जागरूकता फैलाने के लिए, दिल्ली की बिजली कंपनियों – बीआरपीएल, बीवाईपीएल और एनडीपीएल ने ऑल इंडिया रेडियो पर एक सूचनात्मक व इंटरेक्टिव कार्यक्रम "दिल्ली रहे रोशन" शुरू किया है। यह पिछले 28 अक्टूबर से चल रहा है, और एआईआर रेनबो 102.6 मेगाहट्र्ज पर हर शुक्रवार शाम साढ़े छह बजे से सात बते तक प्रसारित होता है। इसमें बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी बिजली मुद्दों पर जानकारियां देते हैं। खास बात यह है कि इस कार्यक्रम को न सिर्फ दिल्ल्ली, बल्कि दूर–दराज के इलाकों के लोगों की ओर से भी काफी अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है।

इस साप्ताहिक कार्यक्रम में श्रोताओं को बिजली से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जानकारियां दी जाती हैं। साथ ही, पिछले नौ सालों में दिल्ली में बिजली वितरण के क्षेत्र में जो सुधार हुए हैं, उस बारे में भी लोगों को बताया जा रहा है।

यह इनफोटेनमेंट आधारित जागरूकता कार्यक्रम है, जहां न सिर्फ सूचनाएं होती हैं, बल्कि लोगों का मनोरंजन भी होता है। इसमें उपभोक्ताओं के फीडबैक, सवाल और अनुभवों को जगह दी जाती है और सवालों के जवाब भी दिए जाते हैं।

आप भी इस कार्यक्रम में भागीदारी कर सकते हैं। 9810173550 पर एसएमएस करें या फिर narenjanman@gmail.com पर ईमेल करें और कई अन्य प्रतिभागियों की तरह जीतें आकर्षक ईनाम।

हम सुन रहे हैं ... डायल करें बीआरपीएल – 399–99–707